Bajaj Hindusthan inks MoU with UP for Lalitpur project

fe Bureau

Lucknow, Apr 22: With power sharing between power major NTPC and Uttar Pradesh government becoming a major hurdle for setting up of new power projects in the state, the Mayawati government has decided to go ahead and grant the 1,980-mw Lalitpur power project, that was to be initially executed by the NTPC, to Bajaj Hindusthan group, a relative newcomer in the thermal power sector.

Speaking to mediapersons at the MoU signing ceremony here on Thursday, CMD Uttar Pradesh Power Corporation (UPPCL), Navneet Sehgal said as much as 90% of power from this project would be the state's share. Apart from this, the state would also get 90% of the 450 mw that would be generated at the five 90 mw units that the Bajaj group is setting up in the state.

It may be mentioned that the Lalitpur power plant was first visualised two years back as a 40,000-mw ultra mega plant and was to be built as a joint venture project between NTPC and UP. But later on, NTPC had second thought about going into the project as a joint partner and wanted to go it alone, to which UP government had reservations.

In the meantime, power-sharing agreement for the project became a major bone of contention and it was also revealed that the Lalitpur area of Bundelkand was very dry and getting water for a UMPP would be difficult. Hence, the UP government scaled down its capacity by half and dumped the prospect of NTPC executing the project. It then started scouting for a private player, who could set up the plant and yet give the state a majority of power.

AROUND 90% OF POWER FROM THIS PROJECT WILL BE SUPPLIED TO THE STATE GOVERNMENT

"The state government has a target of adding 25,000 mw in the 12th Plan Period. Granting the Lalitpur project to the Bajaj group through the MoU route is a first step in that direction", Sehgal said.

हिंदुस्तान बजाज रोशन करेगी यूपी

वीरेंद्र सिंह रावत
लखनऊ, 22 अप्रैल

चीनी उत्पादन क्षेत्र में देश की प्रमुख कंपनी बजाज हिंदुस्तान उत्तर प्रदेश में 15,000 करोड़ रुपये का निवेश कर बिजली परियोजनाएं लगाएगी। इन परियोजनाओं की संयुक्त उत्पादन क्षमता 2,430 मेगावॉट होगी। इन परियोजनाओं पर उत्पादन होने वाली कुल बिजली का 90 फीसदी हिस्सा कंपनी राज्य को मुहैया कराएगी और बचे 10 फीसदी का कारोबार खुले बाजार में कर सकेगी।

बजाज हिंदुस्तान के प्रबंध निदेशक कुशाग्र नयन बजाज और उत्तर प्रदेश पॉवर कॉर्पोरेशन लिमिटेड (यूपीपीसीएल) के मुख्य प्रबंध निदेशक नवनीत सहगल ने गुरुवार को इस आशय के एक सहमति पत्र पर दस्तखत किए। कंपनी ललितपुर जिले में 1,980 मेगावॉट की बिजली परियोजना लगाएगी। इसके अलावा कंपनी 90 मेगावॉट उत्पादन क्षमता वाली पांच बिजली उत्पादन इकाइयां चीनी मिलों में लगाएगी। ललितपुर की परियोजना के लिए 1,500 एकड़ जमीन का अधिग्रहण किया जाएगा।

बजाज की ओर से बिजनेस स्टैंडर्ड को बताया गया, 'इन परियोजनाओं के लिए पैसा आंतरिक संसाधन और कर्ज के जरिए जुटाया जाएगा। पूंजी बाजार से पैसा जुटाने की अभी कोई योजना नहीं है।' ललितपुर की परियोजना पर 10,000 से 12,000 करोड़ रुपये के निवेश का अनुमान लगाया जा रहा है। इस परियोजना के लिए केंद्र से कोयला हासिल करने में राज्य सरकार कंपनी की मदद करेगी। बजाज ने बताया, 'उम्मीद है कि अगले 12 से 15 महीने में ललितपुर परियोजना पर काम शुरू हो जाएगा और 2015 तक यहां उत्पादन शुरू हो जाएगा।' आगे चलकर कंपनी की योजना अपने बिजली कारोबार को नई कंपनी बनाकर अलग करने की है। बजाज के पास उत्तर प्रदेश में 16 चीनी मिलें हैं। पांच चीनी मिलों में लगाई जाने वाली बिजली परियोजना से वित्त वर्ष 2011 के आखिर तक उत्पादन शुरू होने की उम्मीद की जा रही है। मंगलवार को राज्य की मुख्यमंत्री मायावती की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट की बैठक में इन परियोजनाओं को हरी झंडी दी गई।

उन्होंने कहा, 'बिजली क्षेत्र में भारी निवेश की जरूरत होती है। हमारा समूह निवेश करने में सक्षम है इसलिए हमने बिजली उत्पादन क्षेत्र में कदम रखने का फैसला किया। अभी भी यूपी समेत पूरे देश में बिजली का संकट है।'

बजाज ने यह भी कहा कि आने वाले दिनों में कंपनी देश के दूसरे हिस्सों में इस तरह की परियोजनाएं शुरू करने के लिए काम करेगी। उन्होंने कहा कि इसके साथ-साथ कंपनी सहमति पत्र पर दस्तखत के लिए परियोजनाओं के कार्यान्वयन पर भी जोर देगी। सहगल कहते हैं, '12 वीं योजना के तहत हम 25,000 मेगावॉट बिजली उत्पादन क्षमता का लक्ष्य हासिल करना चाहते हैं।' बजाज ने कहा कि कंपनी इसी तरह की परियोजनाएं देश के अन्य हिस्सों में लगाने की योजना भी बना रही है। उन्होंने कहा कि कंपनी का जोर सिर्फ सहमति पत्र पर दस्तखत करने पर नहीं बल्कि हम परियोजनाएं के क्रियान्वयन पर हमारा विशेष ध्यान है। सहगल ने कहा, '12 वीं योजना के तहत हम 25,000 मेगावॉट बिजली उत्पादन करने की क्षमता हासिल करना चाहते हैं।'

रोशनी के लिए यूपी बिजली बोर्ड से करार

यूपीपीसीएल के अध्यक्ष नवनीत सहगल और बजाज समूह के संयुक्त प्रबंध निदेशक कुशाग्र बजाज (दाएं) समझौते पर हस्ताक्षर करते हुए। पीटीआई

- हिंदुस्तान बजाज यूपी में बिजली परियोजनाओं पर करेगी 15,000 करोड़ रुपये का निवेश
- कुल 2,430 मेगावॉट की बिजली परियोजनाएं लगाएगी कंपनी
- 90 फीसदी बिजली राज्य को मिलेगी, 10 फीसदी खुले बाजार में बिकेगी
- किया जाएगा 1,500 एकड़ जमीन का अधिग्रहण

ललितपुर संयंत्र के लिए बजाज हिंदुस्तान से करार

- कंपनी की पांच चीनी मिलों में ताप विद्युत इकाइयां स्थापित करने के लिए भी हुआ एमओयू

लखनऊ, 22 अप्रैल (जागरण ब्यूरो): ललितपुर में 1980 मेगावाट क्षमता के तापीय विद्युत संयंत्र की स्थापना के लिए गुरुवार को उप्र सरकार और बजाज हिंदुस्तान लि. के कन्सोर्टियम के बीच अनुबंध पत्र (एमओयू) पर हस्ताक्षर हुए। बजाज हिंदुस्तान लि. ने प्रदेश में अपनी पांच चीनी मिलों में 90-90 मेगावाट क्षमता की विद्युत उत्पादन इकाइयां स्थापित करने के लिए भी सरकार के साथ करार किया है।

बजाज हिंदुस्तान लि. की ओर से कंपनी के संयुक्त प्रबंध निदेशक कुशाग्र नयन बजाज और राज्य सरकार की ओर से सचिव ऊर्जा नवनीत सहगल ने अनुबंध पत्र पर हस्ताक्षर किये। इस मौके पर ऊर्जा मंत्री रामवीर उपाध्याय, मुख्य सचिव अतुल कुमार गुप्ता तथा अवस्थापना एवं औद्योगिक विकास आयुक्त अनूप मित्र भी मौजूद थे। सचिव ऊर्जा ने बताया कि ललितपुर संयंत्र वर्ष 2014 की आखिरी तिमाही में बिजली पैदा करने लगेगा। इस परियोजना की लागत 10000 से 12000 करोड़ रुपये होगी। परियोजना के लिए ललितपुर में राजघाट डैम से 60 किमी दूर मिर्चवारा गांव में लगभग 1500 एकड़ जमीन चिन्हित कर ली गई है। परियोजना के लिए कोयला केंद्र सरकार मुहैया कराएगी। इसके लिए कंपनी को केंद्र से पैरवी करनी होगी। राज्य सरकार इसमें उसे सिर्फ सहयोग देगी।

बजाज हिंदुस्तान की जिन पांच चीनी मिलों में 90-90 मेगावाट की तापीय विद्युत इकाइयां स्थापित करने के लिए करार हुआ है, वे बरखेरा (पीलीभीत), खंभरखेरा (लखीमपुर खीरी), मटमूरपुर (शाहजहांपुर), कुंदरखी (गोंडा) और उनवाल (बलरामपुर) में हैं। इन चीनी मिलों में कुल मिलाकर 450 मेगावाट बिजली साल भर पैदा होगी। चीनी मिलों में स्थापित की जाने वाली यह इकाइयां अक्टूबर-नवम्बर 2011 में बिजली उत्पादन शुरू कर देंगी। कंपनी के ललितपुर संयंत्र और इन चीनी मिलों में पैदा होने वाली 90 फीसदी बिजली को कंपनी राज्य सरकार के नामित प्रतिनिधि को नियामक आयोग द्वारा तय दरों पर बेचेगी। सचिव ऊर्जा ने कहा कि राज्य सरकार ने प्रदेश में बिजली का उत्पादन 25000 मेगावाट बढ़ाने का जो फैसला किया था, आज हुए दोनों एमओयू उसकी अगली कड़ी है। उन्होंने कहा कि पिछले तीन वर्षों के दौरान प्रदेश में 10000 मेगावाट क्षमता की विद्युत परियोजनाओं के लिए एमओयू हो चुके हैं और उन पर तेजी से काम चल रहा है। अगले कुछ दिनों में और परियोजनाएं स्वीकृत होंगी। एटा के जवाहरपुर में केस 2 बिडिंग के आधार पर 1320 मेगावाट के बिजली संयंत्र की स्थापना के लिए इसी कंसोर्टियम (आरएकम्पू) की प्रक्रिया अपनायी जाएगी।

लखनऊ के लाल बहादुर शास्त्री भवन में ऊर्जा मंत्री रामवीर उपाध्याय की उपस्थिति में उप्र. पावर कारपोरेशन तथा बजाज हिंदुस्तान लि. के बीच एमओयू पर हस्ताक्षर करने के बाद आदान-प्रदान करते पावर कारपोरेशन के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक नवनीत सहगल और बजाज हिंदुस्तान लि. के संयुक्त प्रबंध निदेशक कुशाग्र बजाज जागरण

'कम लोगों में है बिजली संयंत्र लगाने का दम'

- ललितपुर संयंत्र में होगा सुपर क्रिटिकल तकनीक का इस्तेमाल : कुशाग्र नयन बजाज

लखनऊ, 22 अप्रैल (जागरण ब्यूरो): बजाज हिंदुस्तान लि. के संयुक्त प्रबंध निदेशक कुशाग्र नयन बजाज ने गुरुवार को यहां कहा कि 1980 मेगावाट क्षमता का बिजली संयंत्र लगाने के लिए बड़े निवेश की जरूरत होती है। देश में ऐसे बहुत कम लोग हैं जिनके पास बिजली संयंत्र स्थापित करने की वित्तीय क्षमता है।

बजाज परिवार उन गिने चुने में से एक है जो अपने दम पर ऐसी महत्वाकांक्षी परियोजना को अंजाम दे सकते हैं। गौरतलब है कि ललितपुर में बिजली संयंत्र की स्थापना की अनुमानित लागत 10000 से 12000 करोड़ रुपये है। ललितपुर में बिजली संयंत्र व कंपनी की पांच चीनी मिलों में 90-90 मेगावाट क्षमता की विद्युत उत्पादन इकाइयां स्थापित करने के लिए राज्य सरकार के साथ अनुबंध पत्र पर हस्ताक्षर करने के बाद वह मीडिया से मुखातिब थे। उन्होंने कहा कि उप्र में बिजली की किल्लत है।

राज्य को बिजली चाहिये और हम संयंत्र लगाकर उसकी यह जरूरत पूरी कर सकते हैं। इसलिए बजाज हिंदुस्तान ने ऊर्जा के क्षेत्र में कदम रखा। उन्होंने कहा कि फिलहाल ललितपुर संयंत्र की स्थापना बजाज हिंदुस्तान ही करेगी। कंपनी ने यह जानकारी बांबे स्टाक एक्सचेंज को भी दे दी है। संयंत्र के निर्माण के लिए कोई नयी कंपनी गठित करने या यह जिम्मेदारी अपनी सहयोगियों को सौंपने के बारे में फिलहाल कोई निर्णय नहीं किया गया है। उन्होंने कहा कि बजाज परिवार एक सामान्य औद्योगिक घराना है, इसलिए ललितपुर संयंत्र की स्थापना के लिए जो कन्सोर्टियम बनाया गया है, उसमें हमारे परिवार की प्राइवेट लिमिटेड कंपनियां ही शामिल होंगी।

2430 मेगावाट की बिजली परियोजनाओं के लिए एमओयू

लखनऊ। राज्य सरकार और चीनी उद्योग समूह बजाज हिंदुस्तान लि. के बीच 2430 मेगावाट क्षमता की बिजली परियोजनाओं के लिए गुरुवार को एमओयू पर दस्तखत किए गए। बजाज हिंदुस्तान ललितपुर में 1980 मेगावाट और पांच चीनी मिलों में 90-90 मेगावाट क्षमता की ताप बिजली इकाइयां स्थापित करेगा। इनसे अगले साल बिजली का उत्पादन होने लगेगा जबकि ललितपुर परियोजना 2014 के अंत तक चालू होगी।

- राज्य सरकार और बजाज हिंदुस्तान के बीच हुआ अनुबंध
- 5 चीनी मिलों में अगले साल से उत्पादन, ललितपुर में 2014 से

सचिवालय में ऊर्जा मंत्री रामवीर उपाध्याय और मुख्य सचिव अतुल कुमार गुप्ता की मौजूदगी में राज्य सरकार की ओर से सचिव ऊर्जा और पावर कारपो. के सीएमडी नवनीत सहगल और बजाज हिंदुस्तान के जेएमडी कुशाग्र नयन बजाज ने एमओयू पर दस्तखत किए। परियोजनाओं से पैदा होने वाली 90 फीसदी बिजली विद्युत नियामक आयोग द्वारा निर्धारित दरों पर प्रदेश को मिलेगी।

बजाज हिन्दुस्तान पांच चीनी मिलों बरखेड़ा (पीलीभीत), खम्भारखेड़ा (लखीमपुर खीरी), मदसूदापुर (शाहजहांपुर), कुंदरकी (गोंडा) तथा उतरौला (बलरामपुर) में 90-90 मेगावाट की कोयला आधारित परियोजनाएं स्थापित करेगा। बजाज ललितपुर में राजघाट डैम से 60 किमी. दूर मिर्चवारा गांव में 1500 एकड़ भूमि पर 1980 मेगावाट क्षमता की तापीय परियोजना भी स्थापित करेगा। इस मौके पर औद्योगिक विकास आयुक्त अनूप मिश्र, पावर कारपो. के एएमडी नरेंद्र भूषण, निदेशक वित्त एस.के. अग्रवाल समेत अन्य अधिकारी मौजूद थे। सहगल ने बताया कि मौजूदा सरकार ने तीन वर्ष के कार्यकाल में 10 हजार मेगावाट की परियोजनाओं के लिए करार किया है। कुछ पर काम शुरू भी हो गया है। सरकार ने 12वीं पंचवर्षीय योजना में 25 हजार मेगावाट उत्पादन क्षमता वृद्धि का लक्ष्य रखा है। कुछ और स्थान चिह्नित किए गए हैं जिनके लिए जल्द ही एमओयू किया जाएगा

प्रदेश में बिजलीघरों पर 15 हजार करोड़ खर्च करेगा बजाज हिंदुस्तान

- ललितपुर में 12-15 महीने में काम शुरु करने की योजना
- एमओयू के साथ कोल लिंकेज प्रक्रिया शुरु की जाएगी

लखनऊ। ऊर्जा क्षेत्र में उतरने जा रहे चीनी उद्योग समूह बजाज हिंदुस्तान लिमिटेड के संयुक्त प्रबंध निदेशक कुशाग्र नयन बजाज का कहना है कि देश और खासकर उत्तर प्रदेश में बिजली की जरूरतों को पूरा करने के लिए बड़े निवेश की जरूरत है। बजाज हिंदुस्तान समूह बिजली इकाइयों पर लगभग 15 हजार करोड़ रुपये का निवेश करेगी। परियोजनाओं के लिए कंपनी बाजार से पैसा नहीं एकत्र करेगी बल्कि अपने संसाधनों से निवेश करेगी।

ललितपुर और चीनी मिलों में बिजली इकाइयों का एमओयू करने के बाद पत्रकारों से बातचीत में कुशाग्र बजाज ने कहा कि अभी मूल कंपनी ही बिजलीघर लगाएगी। सहयोगी कंपनी खोलने का फ़ैसला बाद में किया जाएगा। वे ललितपुर में 12-15 महीने के भीतर परियोजना पर काम शुरू करना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि नई ऊर्जा नीति और राज्य सरकार के सहयोगात्मक रवैये ने उनके समूह को ऊर्जा क्षेत्र में कदम रखने के लिए प्रेरित किया। बकौल कुशाग्र ललितपुर प्रदेश का पिछड़ा और उपेक्षित इलाका है। उनका समूह ललितपुर में सुपर क्रिटिकल बिजली इकाइयां लगाएगा। ललितपुर परियोजना पर लगभग 12000 करोड़ तथा चीनी मिलों की इकाइयों पर लगभग 2000 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे। कंसोर्टियम के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा कि समूह की ही प्राइवेट लि. कंपनियां इसमें शामिल होंगी।

बजाज ने बताया कि उन्हें नहीं लगता कि परियोजना के लिए पर्यावरणीय मंजूरी मिलने में कोई दिक्कत आएगी। एमओयू हो जाने के बाद अब कोल लिंकेज के लिए प्रक्रिया शुरू की जाएगी। बजाज हिंदुस्तान का दावा है कि प्रदेश में लगभग 20 हजार करोड़ रुपये पूंजी निवेश करने वाला वह एकमात्र उद्योग समूह है।

2014 में ललितपुर से मिलने लगेगी बिजली

विशेष संवाददाता
राज्य मुख्यालय

प्रदेश सरकार ने गुरुवार को यहाँ 2430 मेगावाट की बिजली परियोजनाओं के लिए बजाज हिन्दुस्तान लिमिटेड के साथ एमओयू किया। एमओयू पर हस्ताक्षर प्रदेश सरकार की ओर से यूपी पावर कारपोरेशन के अध्यक्ष नवनीत सहगल और बजाज हिंदुस्तान लिमिटेड की ओर से कंपनी के संयुक्त प्रबंध निदेशक कुशाग्र नयन बजाज ने किए। एमओयू ऊर्जा मंत्री रामवीर उपाध्याय, मुख्य सचिव अतुल कुमार गुप्ता और औद्योगिक विकास आयुक्त अनूप मित्र की उपस्थिति में हुआ।

श्री सहगल ने एमओयू के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि प्रदेश में ऊर्जा उत्पादन बढ़ाने के लिए ललितपुर में 1980 मेगावाट का बिजलीघर लगाने के लिए एमओयू पर हस्ताक्षर किए गए हैं। इसके साथ ही बजाज हिंदुस्तान की पाँच चीनी मिलों में 450 मेगावाट बिजली उत्पादन के लिए भी गुरुवार को ही एमओयू पर हस्ताक्षर हुए। इन चीनी मिलों में 90-90 मेगावाट की पाँच कोयला आधारित परियोजनाओं से कुल 450 मेगावाट बिजली का उत्पादन होगा। चीनी मिलों के सयंत्रों में 2011 में ही बिजली उत्पादन होने लगेगा। आने वाले दिनों में कुछ और बिजली परियोजनाओं के लिए एमओयू किए जाएँगे। श्री सहगल ने बताया कि ललितपुर बिजलीघर से 2014 में बिजली मिलने लगेगी। इससे उत्पादित बिजली का 90 फीसदी हिस्सा यूपी को मिलेगा। उन्होंने बताया कि बिजली उत्पादन बढ़ाने के लिए ही फतेहपुर में 1320 मेगावाट की बिजली परियोजना लगाई जाएगी। इसे लैन्को कंपनी बनाएगी। इससे 2015 तक उत्पादन होगा। अनपरा सी में 660 मेगावाट की एक और यूनिट लगेगी। इसके अलावा एटा के जवाहरपुर, इलाहाबाद के बारा-करछना, सोनभद्र के दोपाहा, यमुना एक्सप्रेस वे, अनपरा-ई, ओबरा-सी, हरदुआगंज विस्तार, मेजा, रोजा द्वितीय चरण, संडीला, चोला, पनकी विस्तार से भी उत्पादन बढ़ेगा। इससे यूपी को 25 हजार मेगावाट बिजली मिलेगी। अभी यूपी के उत्पादन की स्थापित क्षमता मात्र चार हजार मेगावाट है। जबकि उत्पादन 2600-2700 मेगावाट ही होता है।

ललितपुर में बिजलीघर बनाने के लिए गुरुवार को पावर कारपोरेशन के अध्यक्ष नवनीत सहगल और हिन्दुस्तान बजाज के प्रबंध निदेशक कुशाग्र नयन बजाज के बीच एमओयू पर सहमति हुई। इस मौके पर मुख्य सचिव अतुल कुमार गुप्ता तथा ऊर्जा मंत्री भी मौजूद थे

सरकार का सहयोग मिले तो तेजी से काम होगा : कुशाग्र

बजाज हिंदुस्तान लिमिटेड के संयुक्त प्रबंध निदेशक कुशाग्र नयन बजाज का कहना है कि देश में ऊर्जा क्षेत्र में प्रगति की अपार संभावनाएँ हैं, इसलिए उनकी कंपनी इस क्षेत्र में आगे बढ़ेगी। उन्होंने कहा कि यूपी में भी बिजली की भारी कमी है। श्री बजाज ने गुरुवार को यहाँ ललितपुर में कंपनी द्वारा स्थापित किए जाने वाले बिजलीघर के लिए एमओयू पर हस्ताक्षर के बाद संवाददाताओं से बातचीत में कहा कि ललितपुर के पावर प्रोजेक्ट में वे 12-15 महीने के अंदर ही निर्माण कार्य शुरू करा देंगे। यदि प्रदेश सरकार का सहयोग रहा तो यह कार्य और तेजी से होगा। ललितपुर की परियोजना के लिए करीब 10 हजार करोड़ का निवेश किया जाएगा। इसके निर्माण के लिए जो कन्सोर्टियम बना है उसमें उनके परिवार की प्राइवेट लिमिटेड कंपनियाँ शामिल हैं। उन्होंने कहा कि पावर प्रोजेक्ट के लिए कंपनी खुद धन की व्यवस्था करेगी। ब्यूरो

Bajaj Hindusthan to invest Rs 15,000 cr in UP

VIRENDRA SINGH RAWAT
Lucknow, 23 April

India's top sugar producer Bajaj Hindusthan will invest about Rs 15,000 crore in setting up power projects totalling 2,430 Mw in Uttar Pradesh.

The company will provide 90 per cent of the power generated to the UP power utility on fixed tariffs, while the rest could be traded in open market. Bajaj Hindusthan joint managing director Kushagra Nayan Bajaj and UP Power Corporation Limited (UPPCL) CMD Navneet Sehgal today signed MoUs in this regard.

While, the company would set up a 1,980 Mw (3X660) coal-fired power plant in Lalitpur district, 90 Mw units each would be installed at 5 sugar mills owned by the company, which total 450 Mw.

The Lalitpur project would entail acquisition of 1,500 acre land in Mirchwara village, about 60 km from the source of water at Rajghat Dam in Lalitpur.

"The funds for these projects would be arranged through internal accruals and debt. There is no plan to raise money from the capital market at present," Bajaj told *Business Standard* on the sidelines.

The Lalitpur project, to be set up by a Bajaj-led consortium, would alone entail investment of Rs 10,000-12,000 crore, he informed. The state government would facilitate Bajaj in getting coal linkage approval from the Centre for the project.

"We hope the construction work on the Lalitpur project starts in the next 12-15 months and that it starts generation by 2015," Bajaj said. Going forward, the company could hive off the power vertical into a separate entity.

Bajaj controls 16 sugar mills in UP and the (5X90) Mw units are likely to start generation by the end of fiscal 2011.

On April 20, the state cabinet meeting chaired by chief minister Mayawati had given its nod to these projects.

"Power sector entails large investment and since our Group has the financial capacity to invest, we decided to foray into the power sector. Besides, the country is already facing deficit in power generation capacity, including UP," he noted.

"We target to attain power generation capacity of 25,000 Mw during the 12 th Plan," Sehgal said.

लखनऊ। बृहस्पतिवार को लाल बहादुर शास्त्री भवन में ऊर्जा मंत्री की उपस्थिति में ललितपुर में बिजलीघर लगाने के लिए एमओयू पर हस्ताक्षर करने के बाद दस्तावेज का आदान-प्रदान करते उत्तर प्रदेश पावर कारपोरेशन के अध्यक्ष नवनीत सहगल और बजाज हिन्दुस्तान लि. के संयुक्त प्रबंध निदेशक कुशाग्र बजाज।

बिजलीघर के लिए बजाज ग्रुप से समझौता

ललितपुर में 2015 तक शुरू हो जाएगा 1980 मेगावाट का विद्युत संयंत्र

लखनऊ (एसएनबी)। यूपी में बिजली उत्पादन बढ़ाने के लिए बृहस्पतिवार को ऊर्जा मंत्री की उपस्थिति में बुन्देलखंड के ललितपुर में 1980 मेगावाट क्षमता के तापीय विद्युत संयंत्र लगाने के अनुबंध पत्र (एमओयू) पर हस्ताक्षर किये गये। इस संयंत्र से वर्ष 2015 तक उत्पादन शुरू होगा।

ओएमयू पर पावर कारपोरेशन की तरफ से पावर कारपोरेशन के अध्यक्ष नवनीत सहगल और बजाज हिन्दुस्तान लिमिटेड की तरफ से संयुक्त प्रबंध निदेशक कुशाग्र बजाज ने हस्ताक्षर किये। इस बिजली उत्पादन घर से यूपी को 90 प्रतिशत बिजली मिलेगी। इसके अलावा बजाज ग्रुप की पांच चीनी मिलों से भी 90-90 मेगावाट क्षमता की पांच इकाइयों की स्थापना के लिए भी अनुबंध पत्र पर हस्ताक्षर किये गये। इससे प्रदेश को 450 मेगावाट बिजली मिलने की संभावना है।

▶ चीनी मिलों से 90-90 मेगावाट वाली पांच इकाइयों के लिए भी एमओयू पर हस्ताक्षर

अनुबंध पर हस्ताक्षर के बाद पत्रकारों से बातचीत में ऊर्जा सचिव एवं पावर कारपोरेशन के अध्यक्ष नवनीत सहगल ने कहा कि प्रदेश सरकार ने बारहवीं पंचवर्षीय योजना के अंत तक 25 हजार मेगावाट विद्युत उत्पादन का लक्ष्य रखा गया है। आज का अनुबंध उसी की एक कड़ी है। उन्होंने कहा कि बजाज ग्रुप की पांच चीनी मिलों में लगने वाले विद्युत संयंत्र से माह अक्टूबर-नवम्बर 2011 तक प्रदेश को 450 मेगावाट बिजली मिलने लगेगी। इसके अलावा नयी ऊर्जा नीति के तहत समझौता ज्ञापन के माध्यम से फतेहपुर में 1320 मेगावाट तथा अनपरा सी विस्तार मे 660 मेगावाट का बिजली घर लगने की स्वीकृति दे दी गयी है। इन परियोजनाओं से वर्ष 2015 तक बिजली उत्पादन प्रस्तावित है।

उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने मार्च 2012 तक 6217 मेगावाट विद्युत क्षमता वृद्धि की व्यवस्था की है। इसमें राज्य सेक्टर, केंद्रीय सेक्टर और निजी क्षेत्र शामिल हैं। इसके अलावा 12वीं पंचवर्षीय योजना में 25000 मेगावाट अतिरिक्त क्षमता वृद्धि के लिए तैयार की गयी कार्ययोजना के संबंध में सहगल ने कहा कि बारा मे 1980, करछना में 1320, जवाहरपुर में 1320, दोपहा में 1980, यमुना एक्सप्रेसवे में 2000, अनपरा ई में 1320, ओबरा सी में 1320, हरदुआगंज विस्तार में 660, मेजा में 1320, चोला में 1320, ललितपुर में 1980, और पनकी विस्तार में 250 मेगावाट क्षमता के बिजली घर लगाने की योजना बनायी गयी है।

इसके अलावा केस-1 बिडिंग के माध्यम से प्रदेश को 5 हजार मेगावाट बिजली प्राप्त होगी। अनुबंध पर हस्ताक्षर के समय मुख्य सचिव अतुल कुमार गुप्ता, औद्योगिक विकास आयुक्त अनूप मिश्र, पावर कारपोरेशन के अपर प्रबंध निदेशक नरेन्द्र भूषण तथा निदेशक वित्त एस.के.अग्रवाल के अलावा बजाज हिन्दुस्तान लिमिटेड के प्रतिनिधि उपस्थित थे।

Bajaj signs MoU to set up 1980 mw plant in Lalitpur

TIMES NEWS NETWORK

Lucknow: Uttar Pradesh government on Thursday inked a memorandum of understanding (MoU) with Bajaj Hindustan for setting up a 1,980 mw thermal power plant in Lalitpur district.

The MoU was signed by energy secretary Navneet Sehgal and joint managing director of the group Kushagra Bajaj in the presence of energy minister Ramveer Upadhyay. The state government also signed an agreement with the group for setting up five units of 90 mw each in its sugar mills. This would generate another 450 mw. Speaking to media persons, Sehgal said that the state government had set a target of putting in place power plants with total installed capacity of 25,000 mw by 12th five year plan. The present agreement, he said, was part of the scheme of things.

The Lalitpur site was earlier being slotted for National Thermal Power Corporation (NTPC) for setting up the project, which did not materialise over power sharing arrangements. A senior official in the CM secretariat said that NTPC had agreed to set up a super thermal power plant of 4,000 mw capacity in Bargarh (Bundelkhand). But negotiations over power sharing are yet to be finalised. Initial indications are the state was to get 75% of the generation. The official, however, said that a final agreement was yet to be inked. The arrangement with Bajaj Hindustan, however, paves way for availability of 90% of the total production. That way the project would enrich the state by another 1,782 mw. But the share would be available only by 2015. As for the five units of 90 mw each, they would start functioning by 2011, Sehgal said.

STATE TO GET 90% SHARE BY 2015

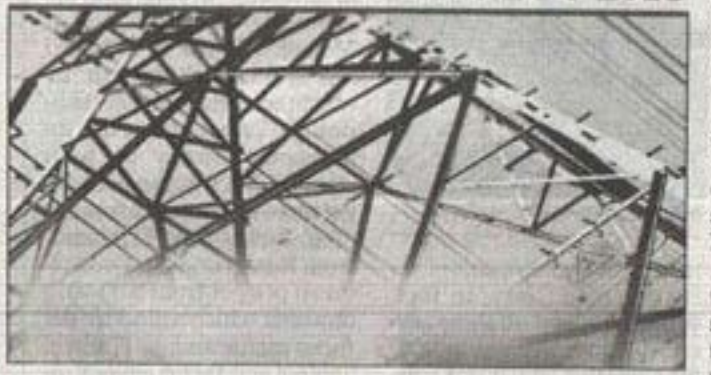

The new energy policy said the state government in a statement, paved way for setting up of 1,320 mw power plant in Fathepur and 660 mw in Anpara-C. Sehgal said that the two would start functioning by 2015 as well. He added that by March 2012 the state would be able to enhance the power availability by 6217 mw. This, he said, would become possible by addition on 2282 mw by 2011 and another 3989 mw by 2012.

As for the power plants in the state sector, the 250 mw unit in Parischa extension would be made functional by July 2010. Another unit of the same capacity would become functional by December 2010, an official press release from the CM secretariat claimed. Likewise, the first and second units of Harduaganj extension would become operational by December 2010 and another by 2011.

MoU inked for 1980-mw plant

WELCOME MOVE Consortium led by Bajaj Hindustan to set up thermal power project in Bundelkhand

HT Correspondent
■ lkreporterdesk@hindustantimes.com

LUCKNOW: The UP Power Corporation Limited (UPPCL) on Thursday signed a memorandum of understanding (MoU) with Bajaj Hindustan Limited for setting up a 1,980 mega-watt thermal power plant in Lalitpur district of Bundelkhand. The new plant is expected to start generating power by 2015.

CMD of the UPPCL Navneet Sehgal, after signing the MoU, said compared to the last year the state government was providing 15 per cent more power at this time of the year. Yet, it was not proving enough. "That's because the mercury has shot up rather unusually at this time of the year," he said.

A plan is being worked out and if executed, it would help UP generate 25,000 mega watt additional power by the end of 12th five year plan. "That would take care of our summer woes," he said.

Sehgal said, "Every year we intend to make a positive difference. We will be producing 6271 mega-watt additional power in the state by 2012. Of this, 2282 mega-watt power will be generated by 2010-11 and the remainder will be produced by 2011-12."

Flanked by Kushagra Bajaj, joint managing director of Bajaj Hindustan Limited, energy minister Ramvir Upadhyaya, chief secretary AK Gupta and IDC Anoop Mishra, Sehgal said the Bajaj power project would entail acquisition of about 1500 acre land in Mirchwara village, about 60 km from Rajghat Dam in Lalitpur.

A consortium, led by Bajaj, will set up the 1,980 (3x660) mw project and provide 90 per cent of the power generated to the state utility at the tariff decided by the regulator.

Besides, the company would also set up 90 mw thermal power plants at 5 sugar mills owned by the company and collectively generate 450 mw power. It would sell 90 per cent of the power to the state utility.

Earlier, the company had proposed to set up 5x80 mw totalling 400 Mw, but later decided to enhance the installed capacity to 90 mw per unit.

"Power sector entails large investment and since our group has the financial capacity to invest, we have decided to foray into the power sector.

Besides, the country is already facing deficit in power generation capacity, including UP," Bajaj said, adding his group was one of the biggest investors in Uttar Pradesh.

■ Navneet Sehgal (L) and Kushagra Bajaj (C) signing the MoU as energy minister Ramvir Upadhaya (R) looks on, in Lucknow on Thursday.

ASHOKGUPTA/HTPHOTO

Deal inked, Lalitpur power project finally on track

Navneet Sehgal (right) with Kushagra Bajaj after signing the MoU on Thursday. VISHAL SRIVASTAV

EXPRESS NEWS SERVICE
LUCKNOW, APRIL 22

THE Uttar Pradesh Power Corporation Limited (UPPCL) signed a Memorandum of Understanding with Bajaj Hindustan Limited on Thursday to set up a 1,980-MW thermal power project in Lalitpur district of Bundelkhand region.

The MoU was signed between UPPCL Chairman and Managing Director Navneet Sehgal and Bajaj Joint Managing Director Kushagra Bajaj in the presence of Energy Minister Ramveer Upadhyaya and Chief Secretary Atul Gupta.

The proposed power project will be built on 1,500 acres at Mirchawar village, some 60 km from the Rajghat dam in Lalitpur. The state will get 90 per cent of the electricity generated by the plant.

"Uttar Pradesh will start getting power generated by this plant from the year 2014," Sehgal told mediapersons. The MoU is just a part of the state's government's commitment to increase the power generation in the state, he added. The state government had earlier decided to increase power generation in the state to 25,000 MW.

"No new project was set up in the state for long, resulting in a power crisis. However, in the last three years, several projects were launched to augment power generation by 10,000 MW," he said.

"While some projects are already underway, we have identified a number of places in the state where new power projects would be set up in the next few years," the UPPCL Chairman said.

(With PTI inputs)

UPCOMING PROJECTS

- A 1,320-MW power unit at Fatehpur, which will start supplying electricity by 2015
- A 660-MW unit at Anpara C Extension and 1,320-MW power unit at Etah
- Five power plants of 90 MW each at the sugar mills of Bajaj, which will start supplying power to the state in 2011

In the pipeline

Power projects at Bara, Karchana, Jawaharpur, Sonbhadra (1,980 MW for which environmental clearance is awaited), Obra, Harduaganj, Meja (in collaboration with NTPC), Sandila and Chola in Bulandshahr

At present, the total installed capacity of power projects in the state is 4,000 MW, against which around 2,500 MW was being generated

NAVNEET SEHGAL
Chairman and Managing Director, UPPCL

Bajaj Hindustan to set up power unit at Lalitpur

Govt signs MoU

Pioneer News Service ■ Lucknow

The Uttar Pradesh government signed a Memorandum of Understanding (MoU) with sugar giant Bajaj Hindustan Limited for setting up a 1980 megawatt thermal power unit at Lalitpur to meet the growing demand of electricity.

The MoU was signed by UP Power Corporation Limited Chairman and Managing Director Navneet Sehgal and Hindustan Bajaj Limited's Joint Managing Director Kushagra Bajaj in the presence of UP Power Minister Ramveer Upadhaya and other officials here on Thursday. Sehgal said the project would be completed by 2014.

All the necessary clearance and coal linkage would be obtained by the private company while the government would act as a facilitator, he added.

The decision to set up the power plant was approved by the state Cabinet earlier this week. It would be set up on Public Private Participation (PPP) model.

Uttar Pradesh had earlier entered into an agreement with National Thermal Power Corporation (NTPC) to set up a power plant in Lalitpur. However, the NTPC backed out and shifted its project to Madhya Pradesh citing non-availability of water in the Bundelkhand region. Later, the government decided to rope in Bajaj Hindustan group to set up the power unit.

The power plant would be set up on 1500 acre land in Mirchwara village, about 60 kms from the famous Rajghat dam in Bundelkhand region, that would cater to the water need.

Bajaj Hindustan has agreed to sell 90 per cent of the electricity generated to UPPCL as per the tariff fixed by the Electricity Regulatory Commission (ERC).

UPPCL CMD Navneet Sehgal and Hindustan Bajaj Limited's Joint Managing Director Kushagra Bajaj exchanging the MoU for Lalitput power plant signed on Thursday Pioneer

The government has also approved Bajaj Hindustan Limited's proposal to set up coal-based power generation units in its five sugar mills at Barkhera (Pilibhit), Khambarkhera (Lakhimpur Kheri), Madsoodpur (Shajahanpur), Kudrakhi (Gonda) and Utraula (Balrampur). The proposed agreement will over-ride the previous one with the sugar mill major, according to which the company was to set up five power projects of 80 MW each with an arrangement to sell 50 per cent of the power to UP Power Corporation Limited as per the tariff fixed by the ERC. Now, Bajaj Hindustan Limited would set up five units of 90 megawatt each with the share of UPPCL enhanced to 90 per cent. These units will generate power round the year and would not depend on waste of sugarcane as fuel.

Sehgal said: "The government aims to generate 25,000 MW electricity per day. New power projects in Fatehpur (1,320 MW), Anpara C (660MW), Lalitpur (1,980 MW) and Roza (650 MW) would become operational by 2014. Yamuna Expressway, Sandilaand Bulandshahr power project are also on the anvil."

एनेक्सी में बजाज हिन्दुस्थान लि. के कुसाग्र बजाज व पावर कारपोरेशन के सी.एम.डी. नवनीत एम.ओ.यू. करार के पश्चात् फाइले बदलते साथ है मंत्री ऊर्जा रामवीर उपाध्याय व मुख्य सचिव अतुल गुप्ता। छाया:आज

ललितपुर तापीय उत्पादन गृह: पावर कारपोरेशन व बजाज हिन्दुस्तान में समझौता

❑ आज समाचार सेवा

लखनऊ, २२ अप्रैल। ललितपुर तापीय उत्पादन गृह के लिए पावर कार्पोरेशन एवं बजाज हिन्दुस्तान बीच प्रस्तावित समझौते पर आज हस्ताक्षर हो गये। १९८० मेगावाट के इस संयत्र से प्रदेश को ९० प्रतिशत बिजली मिलेगी। उल्लेखनीय है कि बुन्देलखण्ड के ललितपुर में प्रस्तावित इस तापीय संयत्र के लिए पहले बजाज हिन्दुस्तान लिमिटेड ने कमर कसी थी लेकिन कार्ययोजना को असली जामा पहनाने में अकेले उसे दिक्कतें महसूस हुई लिहाजा इस योजना को उसने (सोडियम) कुछ अन्य लोगों के साथ लगाने के लिए एक प्रस्ताव कार्पोरेशन को भेजा। पिछले दिनों एनर्जी टास्क फोर्स में बजाज के इस प्रस्ताव को सैद्धान्तिक मंजूरी मिली और कुछ ही दिन बाद कैबिनेट की बैठक में प्रस्ताव को पास कर दिया गया। इसी के क्रम में आज ऊर्जा मंत्री रामवीर उपाध्याय की उपस्थिति में पावर कार्पोरेशन के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक नवनीत सहगल और बजाज हिन्दुस्तान की ओर से संयुक्त प्रबंधक निदेशक कुशाग्र बजाज ने योजना में अनुबंध पत्र (एम.ओ.यू.) पर हस्ताक्षर किये। इसके अलावा बजाज की पांच चीनी मिलों में ९०-९० मेगावाट क्षमता की पांच इकाइयों के सम्बन्ध में भी अनुबन्ध किया गया। इस अनुबन्ध से भी प्रदेश को ४५० मेगावाट बिजली

संयंत्र से प्रदेश को ९० फीसदी बिजली मिलेगी

(शेष पृष्ठ ८ पर)

ललितपुर तापीय ..... (पृष्ठ १ का शेष)

उपलब्ध होगी। पावर कारपोरेशन के माध्यम एवं प्रबंध निदेशक ने बताया कि सरकार ने बारहवीं योजना के अंत तक २५००० मेगावाट बिजली उत्पादन का लक्ष्य रखा है। आज का अनुबंध उसी की लड़ी का है। इस संयत्र से २०१५ तक उत्पादन शुरू हो जायेगा। उन्होंने बताया कि बजाज की चीनी मिलों में लगने वाले संयत्रों से २०११ अक्टूबर-नवम्बर से प्रदेश को ४५० मेगावाट बिजली मिलने लगेगी। इसके अलावा राज्य सरकार की नयी ऊर्जा नीति के तहत समझौता ज्ञापन के माध्यम से फतेहपुर में १३२०, अनपटा 'सी' विस्तार में ६६० मेगावाट क्षमता के तापीय बिजली घर लगाने के लिए स्वीकृत प्रदान की गयी है। इस परियोजना से भी २०१५ तक उत्पादन आरम्भ हो जाना प्रस्तावित है। उन्होंने बताया कि सरकार ने मार्च २०१२ तक ६२१७ मेगावाट विद्युत क्षमता वृद्धि की व्यवस्था की है। इसमें राज्य व केन्द्रीय सेक्टर के साथ निजी क्षेत्रों से प्राप्त होने वाली बिजली शामिल है। इसमें से २०१०-११ में २२८२ मेगावाट तथा २०११-१२ में ३९८९ मेगावाट बिजली प्रदेश को मिलने लगेगी। बारहवीं योजना में २५००० मेगावाट अतिरिक्त क्षमता वृद्धि के लिए तैयार की गयी कार्ययोजना के सम्बन्ध में श्री सहगल ने बताया कि रियारा में १९८० मेगावाट, करछना में १३२० मेगावाट, जवाहरपुर में १३२० मेगावाट, दोपहा में १९८० मेगावाट, यमुना एक्सप्रेस में २००० मेगावाट, अनपटा "ई" में १३२० मेगावाट ओवरा "सी" में १३२० मेगावाट हरदुआगंज विस्तार में ६६० मेगावाट मेजा में १३२० मेगावाट, रोजा द्वितीय चरण में ६०० मेगावाट फतेहपुर में १३२० अनपटा "सी" विस्तार में ६६० मेगावाट निवेली लिगनाइट से २०००, संडीला में १३२० मेगावाट, चोला में १३२० मेगावाट तथा पनकी विस्तार में २५०मेगावाट क्षमता के बिजली संयत्र लगाने की योजना बनायी गयी है। इसके अलावा केस-प्रथम बिडिंग के माध्यम से प्रदेश से ५००० मेगावाट बिजली प्राप्त होगी। ललितपुर योजना पर हस्ताक्षर के समय मुख्य सचिव अतुल कुमार गुप्ता के साथ पावर कार्पोरेशन व बजाज ग्रुप के कई आलाधिकारी उपस्थित थे।

बजाज ग्रुप द्वारा ललितपुर में बिजली संयंत्र को लेकर एमओयू पर हस्ताक्षर के बाद आदान-प्रदान करते ऊर्जा मंत्री रामवीर उपाध्याय, प्रबंध निदेशक नवनीत सहगल और बजाज ग्रुप के प्रबंध निदेशक कुशग्र बजाज

बजाज ग्रुप से उत्तर प्रदेश को मिलेगी 450 मेगावाट बिजली

लखनऊ, 22 अप्रैल (ब्यूरो)। प्रदेश में बिजली उत्पादन को बढ़ाने की दिशा में आज ऊर्जा मंत्री रामवीर उपाध्याय की मौजूदगी में बुन्देलखण्ड के ललितपुर में 1980 मेगावाट क्षमता के तापीय विद्युत क्षमता के तापीय विद्युत संयंत्र लगाने के लिए अनुबंध पत्र (एम.ओ.यू.) पर हस्ताक्षर किये गये।

समझौते पर हुए हस्ताक्षर

अनुबंध पत्र पर यू.पी. पावर कारपोरेशन के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक नवनीत सहगल तथा बजाज हिन्दुस्तान लिमिटेड की ओर से संयुक्त प्रबंध निदेशक कुशाग्र बजाज ने हस्ताक्षर किये। इस बिजली घर से प्रदेश को 90 प्रतिशत बिजली मिलेगी। इसके अलावा बजाज हिन्दुस्तान की पांच चीनी मिलों में 90 मेगावाट क्षमता की पांच इकाइयों की स्थापना के लिए भी अनुबंध पत्र हस्ताक्षरित किये गये। इससे प्रदेश को 450 मेगावाट बिजली मिलेगी।

अनुबंध पत्र पर हस्ताक्षर के बाद सचिवालय स्थित मीडिया सेन्टर में पत्रकारों से बातचीत करते हुए अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक पावर कारपोरेशन नवनीत सहगल ने बताया कि प्रदेश सरकार ने बारहवीं योजना के तक 25000 मेगावाट विद्युत उत्पादन का लक्ष्य रखा गया है तथा आज का अनुबंध पत्र उसी की कड़ी है। इस संयंत्र से वर्ष 2015 तक उत्पादन शुरू होगा। उन्होंने बताया कि बजाज समूह की जांच चीनी मिलों में लगने वाले विद्युत संयंत्र से माह अक्टूबर नवम्बर 2010 तक प्रदेश के 450 मेगावाट बिजली ▸▸ शेष पेज 15 पर

नोएडा पार्क का पक्षी विहार पर क्या असर पड़ेगा:सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली, 22 अप्रैल (एजेंसी)। उच्चतम न्यायालय ने नोएडा पार्क के निर्माण कार्य पर लगी रोक को बरकरार रखते हुए गुरुवार को वन एवं पर्यावरण मंत्रालय को यह आंकलन कराने का निर्देश दिया कि करीब 34 हेक्टेयर में बन रहे इस पार्क का निकटवर्ती ओखला पक्षी विहार पर क्या असर पड़ेगा।

मुख्य न्यायाधीश के जी बालाकृष्णन, न्यायमूर्ति एस एच कपाडिया और न्यायमूर्ति आफताब आलम की विशेष खंडपीठ ने लगभग दो घंटे तक चली सुनवाई के बाद मंत्रालय को चार सप्ताह के भीतर यह ▸▸ शेष पेज 15 पर

बजाज ग्रुप से...

मिलने लगेगी। इसके अलावा राज्य सरकार की नयी ऊर्जा नीति के तहत समझौता ज्ञापन के माध्यम से फतेहपुर से 1320 मेगावाट तथा अनपरा सी-विस्तार में 660 मेगावाट क्षमता के तापीय बिजलीघर लगाने के लिए स्वीकृति प्रदान कर दी है। बारहवीं योजना में 25000 मेगावाट अतिरिक्त क्षमता वृद्धि के लिए तैयार की गयी कार्य योजना के संबंध में श्री सहगल ने बताया कि बारा में 1980 मेगावाट, करछना में 1320 मेगावाट जवाहरपुर में 1320 मेगावाट दोपहा में 1980 मेगावाट यमुना एक्सप्रेस वे में 2000 मेगावाट अनपरा ई में 1320 मेगावाट, ओवरा सी में 1320 मेगावाट, हरदुआगंज विस्तार में 660 मेगावाट, मेजा में 1320 मेगावाट, रोजा द्वितीय चरण में 600 मेगावाट, फतेहपुर में 1320 मेगावाट, अनपरा सी विस्तार 660 मेगावाट, निवेली लिगनाइट से 2000 मेगावाट संडीला में 1320 मेगावाट, चोला में 1320 मेगावाट, ललितपुर में 1980 मेगावाट तथा पनकी विस्तार में 250 मेगावाट क्षमता के बिजली संयंत्र लगाने की योजना बनायी गयी है। इसके अलावा केस-1 बिडिंग के माध्यम से प्रदेश को 5000 मेगावाट बिजली प्राप्त होगी। अनुबंध पत्र पर हस्ताक्षर के समय मुख्य सचिव अतुल कुमार गुप्ता, औद्योगिक विकास आयुक्त अनूप मिश्र, पावर कारपोरेशन के अपर प्रबंध निदेशक नरेन्द्र भूषण तथा निदेशक वित्त एस.के. अग्रवाल के अलावा बजाज हिन्दुस्तान लिमिटेड के प्रतिनिधि उपस्थित थे। ज्ञात हो कि 14 चीनी मिल, यूनीटेक की तीन यूनिट, पांच पॉवर जनरेशन और ललितपुर पॉवर प्लान्ट के साथ बजाज हिन्दुस्तान लिमिटेड वर्तमान में उ.प्र. में सबसे बड़ा निवेशक बनकर उभरा है।

समझौता... ऊर्जा मंत्री रामवीर उपाध्याय की उपस्थिति में यूपीपीसीएल व बजाज हिन्दुस्तान लि. के बीच एमओयू पर हस्ताक्षर करते प्रबन्ध निदेशक नवनीत सहगल व बजाज के संयुक्त प्रबंध निदेशक कुशाग्र बजाज ।

बजाज के साथ हुए बिजली उत्पादन के समझौते पर हस्ताक्षर

वरिष्ठ संवाददाता

लखनऊ, 22 अप्रैल । उत्तर प्रदेश में चल रहे भीषण बिजली संकट से निबटने के लिए आज राज्य सरकार और बजाज हिन्दुस्तान लिमिटेड के बीच ललितपुर में १९८० मेगावाट की क्षमता वाली तापीय विद्युत परियोजना लगाने के एक समझौते पर हस्ताक्षर किया गया। ऊर्जा मंत्री रामवीर उपाध्याय की मौजूदगी में समझौते पर उत्तर प्रदेश पावर कारपोरेशन लिमिटेड के मुख्य प्रबन्ध निदेशक नवनीत सहगल और बजाज कम्पनी के संयुक्त प्रबन्ध निदेशक कुशाग्र नयन बजाज ने हस्ताक्षर किए। श्री सहलल ने बताया कि इस परियोजना में २०१४ में विद्युत उत्पादन शुरू हो जाएगा। इसके उत्पादन की ९० प्रतिशत बिजली उत्तर प्रदेश को मिलेगी। श्री सहगल ने कहा कि बिजली संकट को दूर करने के लिए कई अन्य परियोजनाओं को लगाने के लिए स्थान चिन्हित किए गए हैं। इसके साथ ही १२वी पंचवर्षीय योजना में पचीस हजार मेगावाट अतिरिक्त बिजली उत्पादन की कार्ययोजना तैयार की गई है।

श्री सहगल ने बताया कि अगले वित्तीय वर्ष के अन्त तक राज्य, केन्द्र और निजी क्षेत्र से ६२७१ मेगावाट बिजली के अतिरिक्त वृद्धि की व्यवस्था की गई है जिसमें २२८२ मेगावाट इसी वर्ष के अन्त तक मिलनी शुरु हो जाएगी। उन्होंने कहा कि यह सही है कि राज्य में बिजली की काफी कमी है। इस वर्ष अधिक गर्मी पड़ने की वजह से बिजली की मांग बढ़ गई है। कल ७३४४ मेगावाट बिजली की मांग थी लेकिन उपलब्धता ६३७० मेगावाट की ही थी जिसमें ३६६६ मेगावाट बिजली केन्द्र से ली गई थी। उन्होंने दावा किया कि पिछले वर्ष की अपेक्षा इस बार १५ प्रतिशत बिजली अधिक आपूर्ति की जा रही है। उन्होंने बताया कि २००९ में बनी नई ऊर्जा नीति से भी विद्युत उत्पादन बढ़ा है। इस नीति के तहत चीनी मिलों को पेराई सत्र के पहले या बाद ९० मेगावाट विद्युत उत्पादन तक अनुमति दी गई है।

तापीय विद्युत संयत्र को हरी झंड़ी

बजाज समूह की 5 चीनी मिलों में 450 मेगावाट विद्युत उत्पादन के लिए भी अनुबंध पत्र हस्ताक्षरित

लखनऊ, 22 अप्रैल। उत्तर प्रदेश में बिजली उत्पादन को बढ़ाने की दिशा में आज ऊर्जा मंत्री श्री रामवीर उपाध्याय की उपस्थिति में बुन्देलखण्ड के ललितपुर में १९८० मेगावाट क्षमता के तापीय विद्युत संयंत्र लगाने के लिए अनुबन्ध पत्र (एम०ओ०यू०) पर हस्ताक्षर किये गये। अनुबन्ध पत्र पर यू० पी० पावर कारपा. रेशन के अध्यक्ष एवं प्रबन्ध निदेशक श्री नवनीत सहगल तथा बजाज हिन्दुस्तान लिमिटेड की ओर से संयुक्त प्रबन्ध निदेशक श्री कुशाग्र बजाज ने हस्ताक्षर किये।

इस बिजली घर से प्रदेश को ९० प्रतिशत बिजली मिलेगी। इसके अलावा बजाज हिन्दुस्तान की पांच चीनी मिलों में ९० मेगावाट क्षमता की पांच इकाइयों की स्थापना के लिए भी अनुबन्ध पत्र हस्ताक्षरित किये गये। इससे प्रदेश को ४५० मेगावाट बिजली मिलेगी।

अनुबन्ध पर हस्ताक्षर के पश्चात् प्रेस प्रतिनिधियों से बातचीत करते हुए अध्यक्ष एवं प्रबन्ध निदेशक श्री नवनीत सहगल ने बताया कि प्रदेश सरकार ने बारहवीं योजना के अन्त तक २५००० मेगावाट विद्युत उत्पादन का लक्ष्य रखा है तथा आज का अनुबन्ध पत्र उसी की कड़ी है। इस संयंत्र से वर्ष २०१५ तक उत्पादन शुरू होगा।

उन्होंने बताया कि बजाज समूह की पांच चीनी मिलों में लगने वाले विद्युत संयंत्र से माह अक्टूबर-नवम्बर, २०११ तक प्रदेश के ४५० मेगावाट बिजली मिलने लगेगी। इसके अलावा राज्य सरकार की नई ऊर्जा नीति के तहत समझौता ज्ञापन के माध्यम से फतेहपुर में १३२० मेगावाट तथा अनपरा-'सी' विस्तार में ६६० मेगावाट क्षमता के तापीय बिजलीघर लगाने के लिए स्वीकृति प्रदान कर दी है। इन परियोजनाओं से वर्ष २०१५ तक बिजली का उत्पादन शुरू होना प्रस्तावित है।

उन्होंने बताया कि राज्य सरकार ने मार्च, २०१२ तक ६२१७ मेगावाट विद्युत क्षमता वृद्धि की व्यवस्था की है। इसमें राज्य सेक्टर, केन्द्रीय सेक्टर तथा निजी क्षेत्र से प्राप्त होने वाली बिजली शामिल है। इसमें से २०१०-११ में २२८२ मेगावाट तथा २०११-१२ में ३९८९ मेगावाट बिजली प्रदेश को मिलने लगेगी।

बारहवीं योजना में २५००० मेगावाट अतिरिक्त क्षमता वृद्धि के लिए तैयार की गयी कार्य योजना के सम्बन्ध में श्री सहगल ने बताया कि बारा में १९८० मेगावाट, करछना में १३२० मेगावाट, जवाहरपुर में १३२० मेगावाट, दोपहा में १९८० मेगावाट, यमुना एक्सप्रेस वे में २००० मेगावाट, अनपरा 'ई' में १३२० मेगावाट, ओबरा 'सी' में १३२० मेगावाट, हरदुआगंज विस्तार में ६६० मेगावाट, मेजा में १३२० मेगावाट, रोजा द्वितीय चरण में ६०० मेगावाट, फतेहपुर में १३२० मेगावाट, अनपरा 'सी' विस्तार ६६० मेगावाट, निवेली लिगनाइट से २००० मेगावाट, संडीला में १३२० मेगावाट, चोला में १३२० मेगावाट, ललितपुर में १९८० मेगावाट तथा पनकी विस्तार में २५० मेगावाट क्षमता के बिजली संयंत्र लगाने की योजना बनायी गयी है।

बजाज हिन्दुस्तान के साथ बिजली समझौता

कार्यालय संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में बिजली उत्पादन को बढ़ाने की दिशा में आज ऊर्जा मंत्री रामवीर उपाध्याय की उपस्थिति में बुन्देलखण्ड के ललितपुर में 1980 मेगावाट क्षमता के तापीय विद्युत संयंत्र लगाने के लिए अनुबंध पत्र (एमओयू) पर हस्ताक्षर किये गये।

अनुबंध पत्र पर यूपी पावर कारपोरेशन के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक नवनीत सहगल तथा बजाज हिन्दुस्तान लिमिटेड की ओर से संयुक्त प्रबंध निदेशक कुशाग्र बजाज ने हस्ताक्षर किये। इस बिजली घर से प्रदेश को 90 प्रतिशत बिजली मिलेगी। इसके अलावा बजाज हिन्दुस्तान की पांच चीनी मिलों में 90 मेगावाट क्षमता की पांच इकाइयों की स्थापना के लिए भी अनुबंध पत्र हस्ताक्षरित किये गये। इससे प्रदेश को 450 मेगावाट बिजली मिलेगी। अनुबंध पर हस्ताक्षर के पश्चात पत्रकारों से बातचीत करते हुए अध्यक्ष एवं प्रबंध

निदेशक नवनीत सहगल ने बताया कि प्रदेश सरकार ने बारहवीं योजना के अन्त तक 25000 मेगावाट विद्युत उत्पादन का लक्ष्य रखा है तथा आज का अनुबंध पत्र उसी की कड़ी है। इस संयंत्र से वर्ष 2015 तक उत्पादन शुरू होगा। उन्होंने बताया कि बजाज समूह की पांच चीनी मिलों में लगने वाले विद्युत संयंत्र से माह अक्टूबर-नवम्बर 2011 तक प्रदेश के 450 मेगावाट बिजली मिलने लगेगी।

इसके अलावा राज्य सरकार की नई ऊर्जा नीति के तहत समझौता ज्ञापन के माध्यम से फतेहपुर में 1320 मेगावाट तथा अनपरा-सी विस्तार में 660 मेगावाट क्षमता के तापीय बिजलीघर लगाने के लिए स्वीकृति शुरू होना प्रस्तावित है। उन्होंने बताया कि राज्य सरकार ने मार्च 2012 तक 6217 मेगावाट विद्युत क्षमता वृद्धि की व्यवस्था की है। इसमें राज्य सेक्टर, केन्द्रीय सेक्टर तथा निजी क्षेत्र से प्राप्त होने वाली बिजली शामिल है। इसमें से 2010-11 में 2282 मेगावाट तथा 2011-12 में 3989 मेगावाट बिजली प्रदेश को मिलने लगेगी।

विद्युत उत्पादन के लिए अनुबंध पत्र हस्ताक्षरित

डेली न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में बिजली उत्पादन को बढ़ाने की दिशा में आज ऊर्जा मंत्री रामवीर उपाध्याय की उपस्थिति में बुंदेलखंड के ललितपुर में 1980 मेगावाट क्षमता के तापीय विद्युत संयंत्र लगाने के लिए अनुबंध पत्र (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए।

अनुबंध पत्र पर यूपी पावर कारपोरेशन के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक नवनीत सहगल तथा बजाज हिन्दुस्तान लिमिटेड की ओर से संयुक्त प्रबन्ध निदेशक कुशाग्र बजाज ने हस्ताक्षर किए। इस बिजली घर से प्रदेश को 90 प्रतिशत बिजली मिलेगी। इसके अलावा बजाज हिन्दुस्तान की पांच चीनी मिलों में 90 मेगावाट क्षमता की पांच इकाइयों की स्थापना के लिए भी अनुबन्ध पत्र हस्ताक्षरित किये गये। इससे प्रदेश को 450 मेगावाट बिजली मिलेगी। अनुबन्ध पर हस्ताक्षर के पश्चात पत्रकारों से बातचीत करते हुए अध्यक्ष एवं प्रबन्ध निदेशक नवनीत सहगल ने बताया कि प्रदेश सरकार ने बारहवीं योजना के अन्त तक 25000 मेगावाट विद्युत उत्पादन का लक्ष्य रखा है तथा आज का अनुबन्ध पत्र उसी की कड़ी है। इस संयंत्र से वर्ष 2015 तक उत्पादन शुरू होगा। उन्होंने बताया कि बजाज समूह की पांच चीनी मिलों में लगने वाले विद्युत संयंत्र से माह अक्टूबर-नवम्बर, 2011 तक प्रदेश के 450 मेगावाट बिजली मिलने लगेगी।

इसके अलावा राज्य सरकार की नई ऊर्जा नीति के तहत समझौता ज्ञापन के माध्यम से फतेहपुर में 1320 मेगावाट तथा अनपरा-'सी' विस्तार में 660 मेगावाट क्षमता के तापीय बिजलीघर लगाने के लिए स्वीकृति प्रदान कर दी है। इन परियोजनाओं से वर्ष 2015 तक बिजली का उत्पादन शुरू होना प्रस्तावित है। उन्होंने बताया कि राज्य सरकार ने मार्च, 2012 तक 6217 मेगावाट विद्युत क्षमता वृद्धि की व्यवस्था की है। इसमें राज्य सेक्टर, केन्द्रीय सेक्टर तथा निजी क्षेत्र से प्राप्त होने वाली बिजली शामिल है।

इसमें से 2010-11 में 2282 मेगावाट तथा 2011-12 में 3989 मेगावाट बिजली प्रदेश को मिलने लगेगी। बारहवीं योजना में 25000 मेगावाट अतिरिक्त क्षमता वृद्धि के लिए तैयार की गयी कार्य योजना के सम्बन्ध में श्री सहगल ने बताया कि बारा में 1980 मेगावाट, करछना में 1320 मेगावाट, जवाहरपुर में 1320 मेगावाट, दोपहा में 1980 मेगावाट, यमुना एक्सप्रेस वे में 2000 मेगावाट, अनपरा 'ई' में 1320 मेगावाट, ओबरा 'सी' में 1320 मेगावाट, हरदुआगंज विस्तार में 660 मेगावाट, मेजा में 1320 मेगावाट, रोजा द्वितीय चरण में 600 मेगावाट, फतेहपुर में 1320 मेगावाट,

अनपरा 'सी' विस्तार 660 मेगावाट, निवेली लिगनाइट से 2000 मेगावाट, संडीला में 1320 मेगावाट, चोला में 1320 मेगावाट, ललितपुर में 1980 मेगावाट तथा पनकी विस्तार में 250 मेगावाट क्षमता के बिजली संयंत्र लगाने की योजना बनायी गयी है। अनुबन्ध पत्र पर हस्ताक्षर के समय मुख्य सचिव अतुल कुमार गुप्ता, औद्योगिक विकास आयुक्त अनूप मिश्र, पावर कारपोरेशन के अपर प्रबन्ध निदेशक नरेन्द्र भूषण तथा निदेशक वित्त एसके अग्रवाल के अलावा बजाज हिन्दुस्तान लिमिटेड के प्रतिनिधि उपस्थित थे।

ऊर्जा मंत्री रामवीर उपाध्याय की उपस्थिति में लाल बहादुर शास्त्री भवन में उत्तर प्रदेश पावर कारपोरेशन तथा बजाज हिन्दुस्तान लि. के बीच एमओयू पर हस्ताक्षर करने के बाद आदान–प्रदान करते हुए, अध्यक्ष एवं प्रबन्ध निदेशक यूपीपीसीएल नवनीत सहगल और बजाज हिन्दुस्तान लि. के संयुक्त प्रबन्ध निदेशक कुशाग्र बजाज।

ललितपुर में बिजली संयंत्र लगाने के लिए अनुबंध पत्र हस्ताक्षरित

प्रदेश में बारहवीं योजना के अंत तक होगा २५००० मेगावाट बिजली का उत्पादन

प्रमुख संवाददाता

लखनऊ। प्रदेश में बिजली उत्पादन बढ़ाने की कड़ी में आज ललितपुर में १६८० मेगावाट क्षमता के तापीय विद्युत संयंत्र लगाने के लिए अनुबंध पत्र पर हस्ताक्षर किया गया। इस अनुबंध पत्र पर पावर कारपोरेशन के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक नवनीत सहगल तथा बजाज हिन्दुस्तान लिमिटेड की तरफ से संयुक्त प्रबंध निदेशक कुशाग्र बजाज ने हस्ताक्षर किया।

इस अवसर पर श्री सहगल ने बताया कि इस बिजली घर से प्रदेश को ६० फीसदी बिजली मिलेगी। इसके अलावा बजाज हिन्दुस्तान की पांच चीनी मिलों में ६० मेगावाट क्षमता की पांच इकाइयों की स्थापना के लिए भी अनुबंध पत्र हस्ताक्षरित किये गये। इससे प्रदेश को ४५० मेगावाट बिजली मिलेगी। श्री सहगल ने बताया कि प्रदेश सरकार ने बारहवीं योजना के अन्त तक २५००० मेगावाट विद्युत उत्पादन का लक्ष्य रखा है तथा आज का अनुबंध पत्र उसी की कड़ी है। इस संयंत्र से वर्ष २०१५ तक उत्पादन शुरू होगा। उन्होंने बताया कि बजाज समूह की पांच चीनी मिलों में लगने वाले विद्युत संयंत्र से माह अक्टूबर–नवम्बर, २०११ तक प्रदेश के ४५० मेगावाट बिजली मिलने लगेगी। इसके अलावा राज्य सरकार की नई ऊर्जा नीति के तहत समझौता ज्ञापन के माध्यम से फतेहपुर में १३२० मेगावाट तथा अनपरा–सी विस्तार में ६६० मेगावाट क्षमता के तापीय बिजलीघर लगाने के लिए स्वीकृति प्रदान कर दी है। इन परियोजनाओं से वर्ष २०१५ तक बिजली का उत्पादन शुरू होना प्रस्तावित है। उन्होंने बताया कि राज्य सरकार ने मार्च, २०१२ तक ६२१७ मेगावाट विद्युत क्षमता वृद्धि की व्यवस्था की है। इसमें राज्य सेक्टर केन्द्रीय सेक्टर तथा निजी क्षेत्र से प्राप्त होने वाली बिजली शामिल है। इसमें से २०१०–११ में २२८२ मेगावाट तथा २०११–१२ में ३६८६ मेगावाट बिजली प्रदेश को मिलने लगेगी। श्री सहगल ने बताया कि बारहवीं योजना में २५००० मेगावाट अतिरिक्त क्षमता वृद्धि के लिए तैयार की गयी। बारा में १६८० मेगावाट करछना में १३२० मेगावाट, जवाहरपुर में १३२० मेगावाट, दोपहा में १६८० मेगावाट यमुना एक्सप्रेस वे में २००० मेगावाट, अनपरा ई में १३२० मेगावाट, ओबरा सी में १३२० मेगावाट, हरदुआगंज विस्तार में ६६० मेगावाट, मेजा में १३२० मेगावाट, रोजा द्वितीय चरण में ६०० मेगावाट, फतेहपुर में १३२० मेगावाट, अनपरा सी विस्तार ६६० मेगावाट, नेवेली लिगनाइट से २००० मेगावाट, संडीला में १३२० मेगावाट, चोला में १३२० मेगावाट, ललितपुर में १६८० मेगावाट तथा पनकी विस्तार में २५० मेगावाट क्षमता के बिजली संयंत्र लगाने की योजना बनायी गयी है।

2430 मेगावाट बिजली प्रोजेक्ट के लिये रियासती सरकार ने एमओयू किया

नुमाइंदा अपना अखबार

लखनऊ, २२ अप्रैल। रियासती सरकार ने जुमेरात को यहां २४३० मेगावाट की बिजली प्रोजेक्ट के लिए बजाज हिंदुस्तान लिमिटेड के साथ एमओयू किया एमओयू पर दस्तखत रियासती सरकार की तरफ से यूपी पावर कारपोरेशन के चेयरमैन नवनीत सहगल और बजाज हिंदुस्तान लिमिटेड की जानिब से कंपनी के ज्वाइट एम डी कुशाग्र नयन बजाज ने किए एमओयू तवानईी वजीर रामवीर उपाध्याय चीफ सेक्रेट्री अतुल कुमार गुप्ता और सनअती तरक्की मिश्न अनूप मिश्र की मौजूदगी में हुआ।

मिस्टर सहगल ने एमओयू के बारे में जानकारी देते हुए सहाफियों को बताया कि सूबे में पावर प्रोडक्शन बढाने के लिए ललितपुर में १६८० मेगावाट का बिजलीघर लगाने के लिए एमओयू पर दस्तखत किए गए है इसके साथ ही बजाज हिंदुस्तान की पांच चीनी मिलों में ४५० मेगावाट बिजली प्रोडक्शन के लिए भी जुमेरात को ही एमओयू पर दस्तखत हुए इन चीनी मिलों में ६०-६० मेगावाट की पांच कोयला बेस प्रोजेक्ट से कुल ४५० मेगावाट बिजली का प्रोडक्शन होगा चीनी मिलों प्लान्टों में २०११ में ही बिजली प्रोडक्शन होने लगेगा आने वालें दिनों में कुछ और बिजली प्रोजेक्ट के लिए एमओयू किए जाएंगे।

मिस्टर सहगल ने बताया कि ललिपुर बिजलीघर से २०१४ में बिजली मिलनें लगेगी इससे पैदा बिजली का ६० फीसदी हिस्सा यूपी को मिलेगा उन्होने कहा कि ललितपुर प्रोडक्शन बढाने के लिए ही फतेहपुर में १३२० मेगावाट की बिजली प्रोजेक्ट लगाया जाएगा इसे लैन्को कंपनी बनाएगी इससे २०१५ तक प्रोडक्शन होगा अनपरा सी में ६६० मेगावाट की एक और यूनिट लगेगी इसके अलावा एटा के जवाहरपुर इलाहाबाद के बारा करछना सोनभद्र के दोपाहा यमुना एक्सप्रेस वे अनपरा ई ओबरा सी हरदुआगंज एक्सटेन्शन मेंजा रोजा सेकन्डफेस संडीला चोला पनकी एक्सटेन्शन से भी प्रोडक्शन बढेगा इससे यूपी को २५ हजार मेगावाट बिजली मिलेगी।

अभी यूपी के प्रोंडक्शन की कैपासिटी महज चार हजार मेगावाट है। जबकि प्रोडक्शन २६००-२७०० मेगावाट ही होता है मांग बढ़ी हुई है। जिसकी सप्लाई के लिए मरकजी एजेंसियों से इजाफी बिजली लेते हैं लेकिन मुस्तकाबिल में ऐसा नही होगा सीएमडी ने दावा किया कि पिछलें साल के मुकाबलें इस साल यूपी का १५ फीसदी बिजली ज्यादा दी जा रही है।